Dabang Dunia (Bhopal) (RGL Article) 26 September, 2021 Pg.08

ब्रांडेड ज्वेलरी, जेम और ज्वेलरी उद्योग का नया ग्रोथ इंजन

जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मुख्य स्तंभ है और उसका भारत के निवासियों के साथ मजबूत सांस्कृतिक संबंध है। जनवरी 2021 को भारत के गोल्ड एवं डायमंड व्यापार ने भारत की जीडीपी में 7.5 फीसदी का और भारत के कुल

मर्चेंडाइज निर्यात में 14 फीसदी का योगदान दिया। ग्रोथ और वैल्यू एडिशन के लिए इसकी संभावना को ध्यान में रखते हुए सरकार ने निर्यात प्रमोशन के लिए जेम्स एवं ज्वेलरी क्षेत्र को फोकस एरिया घोषित किया है। वित्त वर्ष 21 में जेम्स एवं ज्वेलरी का निर्यात 25.3 बिलियन यूएस डॉलर हुआ। अप्रैल 2021 में भारतीय ज्वेलरी क्षेत्र ने अप्रैल 2020 के सिर्फ 36.11 मिलियन यूएस डॉलर की तुलना में 3.37 बिलियन यूएस डॉलर का निर्यात किया जो कोविड-19 महामारी की शुरूआत से इस क्षेत्र में मजबूत रिकवरी दशार्ता है। भारत के जेम्स एंड ज्वेलरी का सबसे बड़ा आयातक यूएसए है। यूएसए को भारत के कुल निर्यात का अनुमानित 45 फीसदी का निर्यात किया गया जबकि हांगकांग को (अनुमानित 33 फीसदी) का और यूएई को (अनुमानित 13 फीसदी) का निर्यात किया गया। सरकार ने इसके ग्रोथ और वैल्यू एडिशन की संभावना के आधार पर इस क्षेत्र के ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। ऑटोमेटिक रूट के तहत इस क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति दी गई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार प्रमोशन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार एडायमंड और गोल्ड के आभूषणों में भारत की कुल एफडीआई 1.2 बिलियन यूएस डॉलर रही। रेनेसंस ग्लोबल लिमिटेड के संस्थापक एवं वाइसचेयरमैन सुमित शाह ने बताया सरकार ने स्थानीय मार्केट में कीमती धातुओं के मूल्य में कमी लाने के लिए सोने और चांदी पर आयात शुल्क को 12.5 फीसदी से घटाकर 7.5 फीसदी और प्लेटिनम एवं पैलेडियम पर 12.5 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किया है गोल्ड ज्वेलरी की हालमार्किंग को अनिवार्य किया गया है।